● bordernewsmirror@gmail.com
● पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
● द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 मणिपुर हिंसा मामले में JDU का प्रधानमंत्री पर हमला, कब टूटेगा मोदी जी का मौन व्रत?

04 भूमि विवाद में फिर गिरी लाश छपरा में गोलीबारी, एक की मौत

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, बुधवार, 22 नवम्बर 2023 www.bordernewsmirror.com ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 04, अंक: 283

कांग्रेस के भ्रामक विज्ञापन पर कार्रवाई की मांग की

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राजस्थान में कांग्रेस के विज्ञापन पर आपत्ति जताते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त से कार्रवाई की मांग की है। मंगलवार को भाजपा के चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चुनाव आयोग मुख्यालय में ज्ञापन सौंपा। इस प्रतिनिधिमंडल में केन्द्रीय मंत्री मनसुख मांडविया, भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद, ओम पाठक, और अमित मालवीय शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को कई प्रमुख अखबारों में राजस्थान में कांग्रेस की लहर शीर्षक से एक्जिट पोल जैसा प्रकाशित विज्ञापन पर आपत्ति जताई है। ज्ञापन के मुताबिक राजस्थान में चुनाव से पांच दिन पहले एक्जिट पोल की तरह प्रकाशित विज्ञापन के जरिए आमजन को भ्रमित किया जा रहा है, जो आचार संहिता का उल्लंघन है । आयोग से इस पर कांग्रेस के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

कांग्रेस भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण और परिवारवाद का प्रतीक: मोदी

बीएनएम@कोटा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को बारां के अंता और कोटा के दशहरा मैदान में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत की आजादी को 75 वर्ष पूरे हो गए। अब हमारे सामने विकसित भारत का लक्ष्य है। राजस्थान को विकसित बनाए बिना भारत को विकसित बनाने का लक्ष्य अधूरा है। जब तक भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण नामक देश के तीन दुश्मन हमारे बीच हैं, तब तक इस संकल्प का पूरा होना मुश्किल है। कांग्रेस इन तीन बुराइयों की सबसे बड़ी प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि आजकल राजस्थान की लाल डायरी की सबसे अधिक चर्चा है। इस साल लाल डायरी के पन्ने जैसे-जैसे खुल रहे हैं, वैसे-वैसे जादूगर के चेहरे पर हवाइयां उड़ रही हैं। लाल डायरी में साफ-साफ लिखा है

कि कांग्रेस सरकार ने पांच वर्षों में आपके जल, जंगल और जमीन को कैसे बेचा है। सूरसेन गोडावण अभयारण्य में क्या हुआ, ये आप मुझसे ज्यादा जानते हैं। अवैध खनन के तार किससे जुड़े हैं, ये किसी से छिपा नहीं है। मैंने कहीं पढ़ा कि कांग्रेस के विधायक ने यहां के मंत्री के लिए कहा है- 'भाया रे भाया खूब खाया। एक गांव तो पूरा ही खाया।' कांग्रेस में मंत्री हो, विधायक हो, सब बेलगाम हैं और जनता त्रस्त है।

> **अवैध खनन के तार किससे जुड़े हैं, ये किसी से छिपा नहीं है। मैंने कहीं पढ़ा कि कांग्रेस के विधायक ने यहां के मंत्री के लिए कहा है- 'भाया रे भाया खूब खाया। एक गांव तो पूरा ही खाया।' कांग्रेस में मंत्री हो, विधायक हो, सब बेलगाम हैं और जनता त्रस्त है। कांग्रेस ने चंबल रिवर फ्रंट में कैसे-कैसे घोटाले किए हैं, वो भी आपसे छिपा नहीं है।**

मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने चंबल रिवर फ्रंट में कैसे-कैसे घोटाले किए हैं, वो भी आपसे छिपा नहीं है।

लोगों पर दबाव बनाकर कांग्रेस ने जिन घंटी को जबरन खुलवाने की कोशिश की, उसने एक गरीब मजदूर और एक इंजीनियर का जीवन छीन लिया। आज लोग खुलकर आरोप लगा रहे हैं कि गहलोत सरकार 25 नवंबर को वोटिंग वाले दिन एक घंटा खुलवाने का दबाव डाल रही थी। राजस्थान में बनने वाली भाजपा सरकार न सिर्फ हादसे की जांच कराएगी बल्कि सबको न्याय भी सुनिश्चित करेगी। कांग्रेस की जनता ने राजस्थान को लुटेरों, दंगाइयों, अत्याचारियों, अपराधियों के हवाले कर दिया है। इसलिए आज राजस्थान का बच्चा-बच्चा कह रहा है गहलोतजी कोनी मिले वोट जी। मैं तो एक महीने से छोटे-छोटे बच्चों के वीडियो देख रहा हूं। ये वाक्य बच्चे बोलते हैं।

डबल इंजन की सरकार बना दो, दंगे करने वाले राजस्थान छोड़कर चले जाएंगे: अमित शाह

बीएनएम@अलवर

राजस्थान में चुनाव के चार दिन शेष हैं। प्रदेश में चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। पूरे राजस्थान में भाजपा कांग्रेस सहित अन्य पार्टियों के राष्ट्रीय नेता और स्टार प्रचारक लगातार दौरे कर रहे हैं। आज अलवर जिले के खैरथल में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पहुंचे। उन्होंने भाजपा प्रत्याशियों के लिए वोट मांगे।

अमित शाह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार में दंगे नहीं होते बल्कि दंगे करने वालों को जेल भेज दिया जाता है। प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी है कि एक बार डबल इंजन की सरकार बना दो, दंगे करने

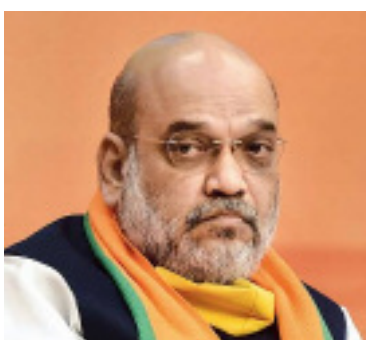

वाले राजस्थान छोड़कर चले जाएंगे। उन्होंने इस दौरान केंद्र सरकार की योजनाएं भी गिनाईं।

उन्होंने कहा कि पूरे राजस्थान मैं दौरा कर रहा हूं। भाजपा के लिए बड़ी संख्या में हुजूम उमड़ रहा है। अलवर जिले के किशनगढ़ बास, मुंडावर, बानसूर, तिजारा के लोगों को मैं कहने आया हूं कि इस बार तीन दिवाली है। एक दिवाली आपने मना ली। दूसरी दिवाली 3 दिसंबर को मनाएंगे और तीसरी दिवाली 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पर मनानी है।

उन्होंने जनता से पूछा खैरथल वाले बताओ भगवान श्री राम के दर्शन करने हैं। राजस्थान में भाजपा की सरकार ला दो बारी बारी सभी को मुफ्त में अयोध्या में राम मंदिर के दर्शन कराएंगे। इस दौरान किशनगढ़बास प्रत्याशी रामहेत यादव, तिजारा प्रत्याशी बालकनाथ, मुंडावर प्रत्याशी मंजीत और बानसूर प्रत्याशी देवीसिंह शेखावत सहित भाजपा के अनेक लोग मौजूद रहे।

फिलिस्तीनी जनता के अधिकारों और भविष्य पर समान महत्व दिया जाए: जयशंकर

नई दिल्ली । विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने कहा है कि मौजूदा फिलिस्तीन संकट के साथ आतंकवाद, गाजा में मानवीय स्थिति और फिलिस्तीनियों के अधिकारों के लिए दो देश समाधान से तीन महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल हैं। इन पर समान रूप से महत्व दिया जाना चाहिए।

जयशंकर ने आस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग के साथ मंगलवार को एक संयुक्त वार्ता में कहा कि फिलिस्तीन संकट का अपना एक इतिहास है तथा यह बहुत जटिल समस्या है। उन्होंने कहा कि 7 अक्टूबर को इजराइल में आतंकवादी हमले की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा की गई। उन्होंने कहा कि गाजा में मानवीय संकट बहुत विषम है तथा वहां यथाशीघ्र मानवीय सहायता उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। विदेश मंत्री ने फिलिस्तीन के बारे में भारत के सतत रवैये को दोहराते हुए कहा कि फिलिस्तीन जनता के अधिकारों और भविष्य के लिए दो देश समाधान आवश्यक है।

आस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री ने कहा कि दो देश समाधान के तहत फिलिस्तीन की सीमायें क्या होंगी, इसका निर्धारण विचार-विमर्श के आधार पर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि फिलिस्तीनी क्षेत्र में इजराइल द्वारा यहूदी बस्तियां बसाए जाना अंतरराष्ट्रीय नियम के खिलाफ है। उल्लेखनीय है कि दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने फिलिस्तीन संकट पर विचार करने के लिए ब्रिक्स संगठन की मंगलवार को आपात बैठक बुलाई है। इस वर्चुअल शिखरवार्ता में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग सहित ब्रिक्स के सदस्य देशों के नेता भाग लेंगे।

उम्मीद मधेपुरा में हुआ भारी हादसा, विरोध में लोगों का हंगामा

डीएम की गाड़ी से कुचलकर तीन की मौत, ग्रामीणों में भारी विरोध

बीएनएम@मधुबनी। जिला के फुलपरास अनुमंडल मुख्यालय बाजार के थाना चौक से पूरब एन एच 57 पर मंगलवार सुबह आठ बजे मधेपुरा डीएम की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई।दुर्घटना में सड़क से गुजर रही मां बेटी की घटना स्थल पर मौत हो गई । एन एच मे काम कर रहे दो मजदूर गंभीर रूप से जख्मी हो गया हैं। जिसे एनएच कर्मियों ने गम्भीर स्थिति में फुलपरास अनुमंडलीय अस्पताल ले गया। फुलपरास अस्पताल में चिकित्सक ने प्राथमिक इलाज के बाद गम्भीर हालत में दरभंगा रेफर कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मधेपुरा डीएम की गाड़ी पश्चिम से पूरब की ओर जा रही थी। गाड़ी घटनास्थल पर पहुंची। वहां पर बिना सुरक्षा कवच लगाएं एन एच पर डीवाईडर की पेंटिंग मशीन के द्वारा रंग की जा रही थी। मशीन में टकराते हुए दो मजदूर को ठोकर मार कर गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क डिभाइडर से टकरा गई। वहां पर

किनारे से जा रही फुलपरास गांव निवासी रंजीत साह की पत्नी गुड़िया देवी (34)वर्ष व उसकी चार वर्षीय पुत्री आरती कुमारी डीएम की गाड़ी की चपटे में आ गया। गाड़ी लोहे की रैलिंग मे जा टकराया। जिससे दोनों मां बेटी की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। कार्यरत दोनों मजदूर गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जिसे अस्पताल पहुंचाया गया।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही गांव के लोगों ने पहुंच कर शव के साथ प्रदर्शन करने लगा। सड़क जाम कर दिया। सड़क जाम की सूचना मिलते ही थाना पुलिस की टीम, अनुमंडल पदाधिकारी फुलपरास,अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी फुलपरास सहित कई पुलिस बल घटना स्थल पर पहुंचकर लोगों को जाम हटाने की कोशिश करने लगे। जबकि एसडीओ के चालक ने दुर्घटना ग्रस्त गाड़ी में डीएम मधेपुरा के बोर्ड को तोड़ने लगा।

जिसका स्थानीय लोगों ने विरोध कर उसके साथ धक्का मुक्की किया।इधर आक्रोशित लोगों ने मुआवजा की मांग करने पर अरे रहे। जिसके कारण सड़क पर दो घंटा तक यातायात पुर्ण रूप से ठप रहा।बहुत देर तक मान मनौबल के बाद स्थानीय जनप्रतिनिधि के आग्रह पर लोगों ने शव को पोस्टमार्टम में भेजने के लिए पुलिस को लाश सुपुर्द कर दिया और सड़क जाम हटाया।इस सन्दर्भ में एसपी सुशील कुमार ने स्थित नियंत्रण में रहने की सूचना सार्वजनिक किया है।

बस लूट कांड के पांच सहित 9 अपराधी गिरफ्तार

बीएनएम@नवादा

नवादा नगर के पार नवादा इलाके में बुंदेला बस में 15 नवंबर को लूट की घटना को अंजाम देने वाले पांच डकैतों को पुलिस ने दो राइफल और दो कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया है ।लूट के मोबाइल खरीदने वाले चार साइबर अपराधियों को भी वारसलीगंज इलाके से गिरफ्तार कर लूट के समान को बरामद कर लिया गया।

नवादा के एसपी अम्बरीष राहुल ने मंगलवार को अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि पुलिस ने लूट की घटना के रहस्य का पर्दाफाश कर दिया है ।

उन्होंने कहा कि लूट के दिन 15 नवंबर को ही एसआईटी का गठन सदर एसडीपीओ के नेतृत्व में कर दी गई थी ।जिसमें कई थानेदारों को भी लगाया गया था ।सभी ने मिलकर लूट कांड का उद्वेदन करते हुए इसमें शामिल अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। दो अपराधी गिरफ्तारी से बचकर भागे फिर रहे हैं। जिसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

एसपी ने कहा कि लूट की घटना खुरी नदी के दक्षिणी इलाके में हुई थी ,जबकि लुटेरा खुरी नदी के उतरी इलाके के मुस्लिम रोड के डॉमटोली में रहते थे। उन्होंने बताया कि इस मामले में बस लुटेरा गया रामपुर के रहनेवाला धर्मा डोम, करण डोम,बिरजू डोम, दीपक कुमार मुस्लिम रोड नवादा तथा वारिसलीगंज अम्बेडकर नगर के रहने वाले विक्रम डॉम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है । धर्मा डोम डोम तथा करण डम चोरी के मामले में पूर्व भी जेल जा चुका है ।

इन अपराधियों ने बस यात्रियों से 30000 नगद ,3 सोने का जेवरात तथा चार मोबाइल की लूट की थी जिसमें लूट गए मोबाइल को वारसलीगंज के साइबर अपराधियों से बरामद कर लिया गया है। उन चार साइबर अपराधियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसके विरुद्ध अलग से मुकदमा दर्ज किया जाएगा ।

एसपी ने कहा कि खुरी नदी का यह इलाका अपराधियों के गढ़ के रूप में चिन्हित कर लिया गया है ।इस इलाके में व्यापक पैमाने पर पुलिस गस्त तेज कर दी जाएगी ।ताकि दोबारा इस घटना को अंजाम नहीं दिया जा सके।

उन्होंने कहा कि अपराध रोकने के लिए नवादा पुलिस कटिबंध है ।इस कटिबद्धता को हम किसी भी तरह निर्वहन करते हुए अपने सहयोगों के माध्यम से जनता को हर कीमत पर सुरक्षित करने की सोच रखते हैं। याद रहे कि घटना के विरोध में यात्रियों ने पुलिस पर फोन नहीं उठाने के लिए घंटो थाने के बाहर हंगामा किया था । जिसे एसपी ने भी गंभीरता से लिया था जिसके नतीजे के तौर पर जल्दी गिरफ्तारी की जा स्की।

विधेयकों पर राज्यपाल की सहमति मिलने पर विजय चौधरी ने प्रसन्नता जाहिर किया

पटना । संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने सरकारी सेवाओं में तथा शैक्षणिक संस्थानों में नामांकन में आरक्षण की सीमा बढ़ाने संबंधी मसले पर कहा कि वैसे तो यह सामान्य विधायी प्रक्रिया है, परंतु सहमति मिल जाने पर अब ये विधेयक अधिनियम यानी कानून का रूप ले लेंगे तथा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सोच के मुताबिक समाज के पिछडे.एवं गरीब लोगों को न्याय दिलाने का मार्ग प्रशस्त करेगा। साथ ही ये नजीर के रूप में पूरे देश को भी रास्ता दिखाएगा। चौधरी ने कहा कि अब बारी केन्द्र सरकार की है कि बिहार से नसीहत लेकर पूरे देश में लंबित चल रहे 2021 वाली जनगणना जाति आधारित कराने की घोषणा करे। तभी बिहार की तर्ज पर अनुसूचित जाति/जनजाति, पिछड़ों-अति पिछड़ों के साथ सभी जाति के गरीब लोगों को न्याय मिल सकेगा।

एयरफोर्स के जवान की गला रेतकर हत्या

बीएनएम@नालंदा

रहुई थाना इलाके के इमामगंज गांव में मंगलवार (21 नवंबर) को दिनदहाड़े बदमाशों ने धारदार हथियार से गला रेतकर एक एयर फोर्स के जवान की हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद गांव से बदमाश फरार हो गए। परिजन आनन-फानन में जवान को लेकर सदर अस्पताल पहुंचे लेकिन डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मृतक जवान की पहचान भुवनेश्वर प्रसाद के 34 वर्षीय पुत्र रंजीत कुमार के रूप में हुई है।

हत्या के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना के बाद परिजन का रो रोकर बुरा हाल है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि मृतक जवान रंजीत कुमार छठ पूजा पर छुट्टी लेकर गांव आया था। तीन साल पहले शादी हुई थी। इस घटना का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। परिजनों में चर्चा है कि पूर्व के विवाद को लेकर घटना को अंजाम दिया गया है।

घटना से गमगीन हुए परिजन अस्पताल में ही बिलख-बिलखकर रोने लगे। सदर अस्पताल में हंगामा भी किया। इसके बाद शव को लेकर सदर अस्पताल से निकल गए। बताया गया कि मृतक रंजीत कुमार दिल्ली में एयरफोर्स के टेक्नीशियन के पद पर काम करता था। उधर, सबसे बड़ी बात यह है कि घंटों बीत जाने के बाद भी पुलिस सदर अस्पताल नहीं पहुंच सकी थी।

गांव की गली में गला रेतकर की हत्या

मृतक के बड़े भाई धर्मवीर ने बताया कि गांव में किसी से पूर्व में विवाद हुआ था। उस मामले को गांव के स्तर पर सुलझा लिया गया था। हो सकता है कि उसी मामले को लेकर रंजीत की हत्या की गई हो। धर्मवीर ने बताया कि गांव की गली से रंजीत गुजर रहा था। इसी दौरान बदमाशों ने धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी।

रहुई थाना प्रभारी नंदन कुमार सिंह ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस सदर अस्पताल पहुंची थी लेकिन परिजन शव लेकर कहीं दूसरे जगह चले गए थे। पुलिस गांव भी गई थी। पता चला है कि मामूली विवाद को लेकर गला रेतकर हत्या की गई है। मामला जो भी हो जांच की जा रही है।

वर्तमान मंत्रिमंडल को बर्खास्त कर जाति की आबादी के आधार नया गठित करें: जीतनराम मांझी

पटना। बिहार में आरक्षण संशोधन बिल को राज्यपाल से मंजूरी मिल गई है। इसके साथ ही इसको लेकर सियासत भी शुरू हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी ने बिहार में आरक्षण बढ़ाने के बिल को राज्यपाल से मंजूरी मिलने के बाद अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर चुटकी लेते हुए सीएम नीतीश कुमार से राज्य मंत्रिमंडल को बर्खास्त करने की मांग की है। जीतनराम मांझी ने की मंत्रिमंडल बर्खास्त करने की मांग जीतन राम मांझी ने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा है कि ₹बिहार में आरक्षण बढ़ाने के बिल को राज्यपाल की मंजूरी मिल गई है। उम्मीद है आज से ही सीएम नीतीश कुमार वर्तमान राज्य मंत्रिमंडल को बर्खास्त कर जाति की आबादी के अनुरूप नए मंत्रिपरिषद का गठन करेंगे। आगे उन्होंने लिखा है कि जिसकी जितनी संख्या भारी, मिलेगी उसको उतनी हिस्सेदारी।

मणिपुर हिंसा मामले में JDU का प्रधानमंत्री पर हमला, कब टूटेगा मोदी जी का मौन व्रत?

बीएनएम@पटना

मणिपुर में एक बार फिर हिंसा की घटना हुई। कांगपोकपी जिले में सशस्त्र हमलावरों ने एक मारुति जिप्सी पर घात लगाकर हमला किया। इस हमले में इंडिया रिजर्व बटालियन IRB के एक जवान और एक अन्य शख्स की मौत हो गई। बता दें कि तीन मई को आदिवासी एकजुटता मार्च के बाद भड़की हिंसा में अबतक 180 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। इसको लेकर जनता दल यूनाइटेड ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला किया है।

मणिपुर हिंसा मामले पर JDU का PM मोदी पर हमला

सोशल मीडिया X पर जदयू ने अपने ऑफिशियल अकाउंट से पोस्ट करते हुए पीएम मोदी पर हमला किया है। जदयू ने कहा कि मणिपुर में हिंसा का दौर जारी है और प्रधानमंत्री जी चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं। मणिपुर पर कब टूटेगा मोदी जी का मौन व्रत?

बता दें कि सोमवार को एक वाहन में जवान और शख्स यात्रा कर रहे थे। तभी राज्य के बहुसंख्यक समुदाय से संबंधित संदिग्ध उग्रवादी समूह के लोगों ने हाराओथेवल और कोब्शा गांवों के बीच गाड़ी पर घात लगाकर हमला कर दिया। अधिकारियों के मुताबिक, घटना में मारे गए दो लोगों में से एक इंडिया रिजर्व बटालियन का कर्मी था।

3 मई को ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन मणिपुर ने 'आदिवासी एकता मार्च' निकाला। ये रैली चुरचांदपुर के तोरबंग इलाके में निकाली गई। ये रैली मैतेई समुदाय की अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने की मांग के खिलाफ निकाली गई थी।

दुर्घटना बलिया थाना क्षेत्र में टली बड़ी घटना

दस गोली के साथ एक अपराधी गिरफ्तार

बीएनएम@बेगूसराय

बेगूसराय पुलिस ने बलिया थाना क्षेत्र के लखमिनिया में बड़ी आपराधिक घटना करने की योजना को विफल कर दिया है। मौके पर से दस जिन्दा गोली के साथ एक अपराधी को गिरफ्तार किया गया है। एसपी योगेन्द्र कुमार ने बताया कि सुबह करीब पौने आठ बजे गुप्त सूचना मिली कि बलिया थाना क्षेत्र के लखमिनिया वार्ड नंबर-28 में एक अपराधी अवैध हथियार एवं गोली के साथ किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने के फिराक में हैं। मेरे निर्देशानुसार पुअनि संजीव कुमार एवं सशस्त्र बल द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए स्थानीय निवासी सोनू कुमार को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से दस जिंदा गोली बरामद किया गया है। इसके साथ ही एक मोबाईल एवं 17 सौ रूपया भी बरामद किया गया है।

बिहार में लागू हुआ 75 फीसदी आरक्षण

पटना। बिहार में अब 75 फीसदी आरक्षण का लाभ मिलेगा। बिहार की नीतीश कुमार की सरकार ने इसको लेकर गजट प्रकाशित कर दिया है। यानी अब से शिक्षण संस्थानों और नौकरी में अनुसूचित जाति/जनजाति, ईबीसी और ओबीसी को 75 फीसदी आरक्षण का लाभ मिलेगा। मंगलवार (21 नवंबर) से इसे लागू कर दिया गया है। बिहार सरकार ने आरक्षण की सीमा में 15 फीसदी का इजाफा किया है। बिहार सरकार ने विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान आरक्षण संशोधन विधेयक 2023 पेश किया था। 9 नवंबर को इसे दोनों सदन से पास किया गया था। इसमें आरक्षण का दायरा बढ़ाकर 75 फीसदी करने का प्रावधान था। इस बिल को राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी बीजेपी ने भी अपना समर्थन दिया था। दिल्ली से लौटते ही राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर ने रिजर्वेशन बिल-2023 पर अपनी मुहर लगा दी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 7 नवंबर को सदन में घोषणा की थी कि बिहार में आरक्षण के दायरे को बढ़ाया जाएगा। बिहार में 60 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था को बढ़ाकर 75 फीसदी करने का एलान सीएम ने किया था।

कवि जाँच घर
Mob.:7033441319 Tollfree: 1800 3099 895
Address : Bhawanipur Zirat, Motihari, East Champaran-845401
website: www.kavidiagnostics.com | email: drsanjaykumar63@gmail.com
डॉ.संजय कुमार
MBBS (DAR)
MD (Microbiology)

ट्रैक्टर के पहिए से युवती की मौत, आक्रोशित हुए लोग

बेतिया। जिला के भिखनाठोरी मुख्य पथ में नोनिया टोला गांव के समीप एक ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक युवती की मौत मंगलवार को हो गई है। जबकि बाइक चला रहा उसका भाई व उसका भांजा जख्मी हो गया। घटना से आक्रोशित लोगों ने ट्रैक्टर को पकड़ लिया। हालाकि चालक भागने में सफल रहा। घटना से आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर दिया। इससे करीब एक घंटे तक आवागमन पूरी तरह से बाधित रहा।सूचना पर पहुंची शिकारपुर पुलिस ने भारी मशक्कत के बाद लोगो को समझाकर सड़क जाम समाप्त कराया।

बताया जाता है कि भंगहा थाने के बलुआ गांव का शाहजेब अपनी बहन आलिया प्रवीण का इलाज कराकर नरकटियागंज से घर लौट रहा था। नोनिया टोला गांव के समीप आगे जा रहे एक ट्रैक्टर से साइड लेकर क्रम में ट्रैक्टर से उसकी बाइक टकरा गई। बाइक पर पीछे बैठी युवती आलिया गिरी और उसका सिर ट्रैक्टर की चपेट में आ गया। पहिया से उसका सिर पूरी तरह कुचल गया। वही बाइक चला रहा उसका भाई शाहजेब और बीच में बैठा उसका भांजा अरशद जख्मी हो गया। इसी बीच ट्रैक्टर चालक फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि सड़क दुर्घटना में युवती की मौत हुई है। दुर्घटना में शामिल ट्रैक्टर को जब्त कर लिया गया है। मृत युवती के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

बिगनी मलाहीन: खुद हैं मुजरिम बने कानून वाले...

सागर सूरज

सागर सूरज

बीएनएम@मोतिहारी। बॉलीवूड स्टार शाहरुख खान की फिल्म जवान अभी काफी चर्चे मे है। बिगनी मलाहीन भी फिल्म को देखने के बाद काफी उत्तेजना मे दिखी। फिल्म का कथानक नेता- अपराधी-प्रशासन गठजोड़ के बाद उपजे आम लोगों की परेशानी से जुड़ा है।

फिल्म मे सिस्टम से आहत और प्रताड़ित लोगों की एक टीम के द्वारा कानून को हाथ मे लेकर बंदूक के बल पर सरकार के मंत्री को मजबूर कर सरकारी अस्पतालों मे सुविधा मुहैया करवाना, बैंक से घोटाला किये रुपये को वापस लेकर सभी किसानों के खातों मे भेजकर किसानों के आत्महत्या को रोकना जैसे मुद्दे बहुत ही बेहतर ढंग से फ़िल्माये गए है।

देश मे लोकसभा चुनाव मे महज छह माह बाकी है। फिल्म "जवान" मे सिस्टम के विरुद्ध हथियार उठाए नवजवानों फिर इन्हीं नवजवानों की तरह सिस्टम और नेताओं से बिगनी मलाहीन जैसे आम आदमी के आक्रोश भी सुनने समझने लायक है। बिगनी मलाहीन कहती है आम आदमी करे तो क्या करे। नक्सली आंदोलन के पनपने के पीछे भी यही सिस्टम होती है। जब पुलिस पैसों वालों, नेताओं और दबंगों की कठपुतली बनेगी तो आम आदमी बंदूक ही उठाएगा न।

बिगनी के बोल मे नक्सलवाद का समर्थन था, हिंसा और कानून को हाँथ मे लेना कहाँ तक जायज है तो बिगनी बिफर पड़ती है और कहती है तो क्या ये सिस्टम, ये नेता और ये पुलिस क्या करती है। मोतिहारी को ही देखिए थानों मे एक प्राथमिकी दर्ज करवाना कितना मुस्किल है। थाना सुनती नहीं और एसपी तक चुप्पी बनाए हुए है। और साहब जो 30 वर्षो से जिले के सांसद है कहते है वे पुलिस से बात नहीं करते तो आम आदमी जाए तो कहा जाए। "हुकूमत से एजाज अगर चाहते हो, अंधेरा है लेकिन रोशनी लिखो"।

किसी की जमीन हड़प ली गई तो किसी को ताकत और पैसे के बाल पर प्रताड़ना की जाती है कोई नहीं सुनता। पत्रकार जी आप जाइए एसपी के जनता दरबार मे पूछिए 20 20 बार एक ही काम के लिए आए आपको कई लोग मिल जाएंगे। सबको पता है कुछ नहीं होगा फिर भी आते है, क्योंकि कोई ऑप्शन नहीं है। नीचे से लेकर ऊपर तक सभी सिर्फ नौकरी कर रहे है सभी अपना कर्तव्य भूल गए है।

बिगनी 'जवान' फिल्म का हवाला देते हुए कहती है जब मंत्री के बेटे का अपहरण होता है तो बैंक से घोटाला किये 40 हजार करोड़ रुपये वापस आ जाते है। जब मंत्री को गोली लगती है तो सरकारी अस्पताल मे 5 घंटे मे सारे इक्यूपमेंट चले आते है और यहाँ मोतिहारी सदर अस्पताल तक हायर सेंटर रेफर करने का सेंटर बना हुआ है। किसको दोषी कहेंगे। क्या इसके लिए साहब दोषी नहीं है जो छह बार सांसद रह कर और एक बार कृषि मंत्री रह कर भी ना तो किसानों के हालत मे कोई परिवर्तन करवा पाए और ना यहाँ के स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था मे ही कुछ कर पाए।

जब न्याय नहीं मिलेगा, किसानों की जमिने हड़पी जाएंगी, दबंगों द्वारा कमजोर लोगों के लड़कियों के साथ बलात्कार किये जाएंगे और प्राथमिकी तक दर्ज नहीं होगी और अगर होगी भी तो रुपये के बल पर गवाहों को, अधिकारियों को खामोश कर दिया जाएगा तो फिर आम आदमी या तो आत्म हत्या करेगा या फिर बदूक उठाएगा। "इस बरस हमने जामिनों मे धुआँ बोया है, फल नहीं आएंगे अब, शाखों पर बम आएंगे।

बिगनी सिस्टम की खामियों से हैरान परेशान थी उसके बोल हिंसात्मक थे। बिगनी पर सिस्टम के विरुद्ध युद्ध छेड़ने के उकसावे के आरोप लग सकते थे, लेकिन जो भी हो उसके हर तर्क मे दम था। मोतिहारी जैसे जगह की तस्वीर तो यही है। थानेदार एसपी से नहीं डरता, एसपी डीआईजी से नहीं डरता, डीआईजी डीजीपी से नहीं डरता और हमारे सांसद महोदय से कोई नहीं डरता। आवेदन एसपी को दे, डीआईजी को दे या डीजीपी कोई फर्क नहीं पड़ता सभी आवेदन लाल फीताशाही के शिकार हो जाते है। इसमे वैसे नेता, पत्रकार या ऑफिसर की चलती रहती है जिन्हे 'खुशामदी' का वरदान प्राप्त होता है। चलते चलते बिगनी ने अपने अधजले बीड़ी की गहरी काश लेते हुए बुदबुदाया "ये सियासत है कि लानत है सियासत पे "सदा", खुद हैं मुजरिम बने कानून वाले"।

बिगनी जिले के लाखों शोषित पीड़ित लोगों की प्रतीकात्मक चेहरा है, जो सिस्टम के मार से कुछ इस तरह प्रताड़ित हुई कि असमय काल के गाल मे समा गई। कुपोषित, शोषित बिगनी अपने नाम बुजुर्गों को मिलने वाली पेंशन भी नहीं करवा पाई।

निरीक्षण | सबों ने मिलकर नदी के विभिन्न जगहों की चर्चा की

एसटीपी प्लांट बैठाने के लिए रक्सौल पहुंची टीम

बीएनएम@रक्सौल

रक्सौल के लिए ऐतिहासिक दिन है जब नमामि गंगे योजना प्रोजेक्ट के डॉक्टर रघुवंशी साइंटिस्ट एनएमसीजी के नेतृत्व में सरिसवा नदी पर एसटीपी प्लांट बैठाने के लिए टीम रक्सौल में शाम को पहुंची। जहां उन्होंने इंडियन कस्टम के पास सरिसवा नदी का मुआवना किया।

उस स्थल पर उनकी पूरी टीम उपस्थित थी जिसको सरिसवा नदी बचाओ आंदोलन के संस्थापक अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) अनिल कुमार सिन्हा ने अपने वरीय सदस्यों के साथ डॉ. रघुवंशी को सरिसवा नदी का इतिहास ,भूगोल एवं उसे हो रही समस्याओं से अवगत कराया। प्रो0 सिन्हा ने बताया कि मैं रक्सौल की कराहती हुई जनता की आवाज को अपने मुख से व्यक्त कर रहा हूं जो काफी दर्दनाक है

जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती है।

उन्होंने ऐसे स्थल का चुनाव करने की अपेक्षा की जहां पर नगर के नल नालों के जल का भी शुद्धिकरण हो पाएगा। उसमें सर्वश्री राकेश कुशवाहा, प्रो. मनीष दुबे, सुरेश कुमार एवं श्री राम उपस्थित थे। सबों ने मिलकर नदी के विभिन्न जगहों की चर्चा की। टीम कल दिनभर नगर के विभिन्न स्थानों का दौरा करेगी तथा नदी का निरीक्षण कर स्थल का चुनाव करेगी।

चन्द्रा लाईफ लाईन हॉस्पीटल प्रा. लि.
ISO
डा. चन्द्र सुभाष
M.B.B.S. DMCH (Darbhanga)
M.S. D-Ortho, Ph.D. (Ortho-R)
F.C.G.P. (Chennai), D.N.B.I (New Delhi)
Reg. No.- 34216 (Bihar)
हड्डी, जोड़ नस एवं नटिया रोग विशेषज्ञ एवं सर्जन
24/7 Emergency Services
डा. हेना चन्द्रा
M.B.B.S. DMCH (Darbhanga)
P.G. Diploma (MCH) Jaipur
P.G. Diploma (sonology)
Gold Medalist
Reg. No.- 40386 (Bihar)
स्त्री, बाँझपन एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
1. Ultrasonography, 2. Mammography, 3. X-ray, 4. Pathology Lab, 5. ECG, 6. Ambulance, 7. ICU
स्थान- चरखा पार्क के पश्चिम वाली रोड में जिला परिषद के सामने, स्टेशन रोड, बेलबनवा, मोतिहारी, पूर्वी चम्पारण
नोट- हमारे यहाँ लगभग सभी हेल्थ इंश्योरेंस का कैशलेश ईलाज किया जाता है।
Mob.- 9471418204, 9471418205, 9471418206, 9471418109

डीएम ने अधिकारियों को दिया आवश्यक दिशा-निर्देश

महोत्सव की तैयारी को लेकर

बीएनएम@केसरिया

करीब पाँच वर्ष बाद आयोजित होने वाले केसरिया महोत्सव को लेकर क्षेत्र के कलाप्रेमियों में उत्साह का माहौल है। इस वर्ष लोगों को इस मंच के माध्यम से विभिन्न राज्यों की लोक कलाओं को देखने के साथ साथ सुप्रसिद्ध लोक गायिका मैथिली ठाकुर को सुनने का अवसर भी मिलेगा। इसकी तैयारी को लेकर प्रशासन भी सक्रिय है।

आयोजन स्थल पर हो रही तैयारी आदि पर अधिकारियों की लगातार नजर बनी हुई है। मंगलवार को डीएम सौरभ जोरवाल ने कार्यक्रम स्थल पर पहुँच अधिकारियों व संबंधित लोगों के साथ आयोजन की तैयारी की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को विधि-व्यवस्था, बैरिकेडिंग, पेयजल, स्वास्थ्य सुविधा, लाइटिंग, दर्शकों की बैठने की सुविधा, यातायात, पार्किंग आदि को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उल्लेखनीय है कि महोत्सव का आयोजन कैफेटेरिया के समीप होना संभावित है। लिहाजा यहाँ साफ-सफाई का कार्य तेजी से किया जा रहा है।

मौके पर सहायक समाहर्ता ऋतुराज, श्रम अधीक्षक सत्य प्रकाश, डीईओ संजय कुमार, चकिया एसडीओ शंभुशरण पाण्डेय, मोतिहारी सदर एसडीओ अनुपम श्रेष्ठ, बीडीओ मनीष कुमार सिंह, सीओ प्रवीण कुमार सिन्हा, बीईओ उपेंद्र कुमार सिंह, ईओ समीर कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

आयोजित होंगे कई कार्यक्रम

तीन दिवसीय केसरिया महोत्सव में मैथिली ठाकुर की प्रस्तुति के अलावे कई कार्यक्रम आयोजित होगा। इसमें बुद्ध पर प्रस्तुति, लेजर शो, कवि सम्मेलन, मुशायरा, स्कूली बच्चों के बीच वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन होगा। वहीं विभिन्न विभागों का स्टॉल लगाया जाएगा। साथ हीं निःशुल्क मेडिकल कैम्प में मोतियाबिंद का इलाज, दिव्यांगजनों के बीच ट्राई साइकिल का वितरण व भूमिहीनों के बीच पर्चा वितरण आदि प्रस्तावित है।

भूमि विवाद में फिर गिरी लाश

छपरा में गोलीबारी, एक की मौत

बीएनएम@छपरा

रिविलगंज थाना क्षेत्र के नवादा गांव में सोमवार (20 नवंबर) को भूमि विवाद (Land Dispute) में गोलीबारी की घटना हो गई।नइस विवाद में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि दूसरे का इलाज चल रहा है। मृतक की पहचान गौतम सिंह के पुत्र गजेंद्र सिंह उर्फ भुवर सिंह के रूप में की गई है। इस पूरे मामले में पुलिस एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

जख्मी व्यक्ति संजीव सिंह का छपरा सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस इस मामले में दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। उधर छपरा सदर अस्पताल में पुलिस के सामने मृतक के परिजन काफी आक्रोशित दिखे। उनकी शिकायत थी की घटना को लेकर पहले भी कई बार पुलिस को सूचना दी गई थी, लेकिन पुलिस नहीं पहुंची। पुलिस समय पर पहुंचती तो शायद घटना नहीं होती। पुलिस ने तत्परता नहीं दिखाई जिसके कारण यह घटना हो गई।

घटना के संबंध में मृतक गजेंद्र सिंह के परिजनों ने कहा कि जमीन को लेकर लगातार विवाद चल रहा था। सोमवार को दूसरे पक्ष के लोगों ने गोलीबारी शुरू कर दी। बातचीत के दौरान ही विवाद बढ़ता गया। इसी दौरान गोलीबारी में गजेंद्र सिंह के सिर में गोली लग गई। सदर अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इस मामले में पहले भी एक प्राथमिकी दर्ज कराई जा चुकी है।

इस घटना पर रिविलगंज थानाध्यक्ष ने बताया कि नवादा गांव में दो गुटों में गोलीबारी हुई है। इसमें एक व्यक्ति के सिर में गोली लगने से मौत हो गई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। दूसरा व्यक्ति घायल है। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए दो लोगों को हिरासत में लिया है। पूछताछ की जा रही है।

बाइक दुर्घटना में दो चचेरे भाई की मौत

मोतिहारी। पहाड़पुर थाने के खैरवा चौक के पास बाइक दुर्घटना में बाइक सवार दो भाई की मौत मंगलवार को हो गई है। सड़क दुर्घटना में दो भाइयों की मौत से पूरे गाव में मातम का माहौल है। परिजन में चीख - पुकार मची हुई है।मृतकों में पहाडपुर के टिकुलिया गाव के रविंद्र ठाकुर का 14 वर्षीय पुत्र चंदन कुमार एवं रामेश्वर ठाकुर का 17 वर्षीय पुत्र आशु कुमार है। दोनो भाई परिजन से छिपाकर बाइक लेकर पकड़िया बाजार के लिए निकल गए जहा वापसी के दौरान खैरवा चौक के समीप उनकी बाइक असंतुलित होकर पलट गई। इस घटना में दोनो गम्भीर रूप से घायल हो गए,जिनका इलाज के दौरान छतौनी के एक निजी अस्पताल में मौत हो गई। इधर इस घटना के बाद परिजनों के बीच चीखपुकार मच गई।छतौनी पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौप दिया है।

गोपालगंज में 5 लोगों की संदिग्ध मौत, बोले डीएम- 'अफवाहों पर ना दें ध्यान'

गोपालगंज। गोपालगंज में 72 घंटे में पांच लोगों की संदिग्ध मौत को लेकर हलचल मच गई। वहीं पुलिस का कहना है कि भ्रामक बातों से दूर रहें। मामले की जांच की जा रही है। मृतकों में बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के सिरसा गांव निवासी स्व० हरिचरण साह के 50 वर्षीय बेटे सिकंदर साह, बहरामपुर गांव निवासी भागन राम के 55 वर्षीय बेटे सुरेश राम, सुरेन्द्र राम के 30 वर्षीय बेटा टिंकू राम, बामो गांव निवासी रामानंद शर्मा के 25 वर्षीय बेटे रोहित शर्मा और बैकुंठपुर गांव निवासी स्व. जोधा राय के 65 वर्षीय बेटे झगरू राय शामिल हैं। दरअसल इस संदर्भ में जिलाधिकारी डॉ नवल किशोर चौधरी व एसपी स्वर्ण प्रभात ने प्रेस रिलीज जारी किया है।

BORDER NEWSMIRROR

Wednesday 22 November 2023

Editorial

राजस्थान में लड़खड़ाता तीसरा मोर्चा

राजस्थान विधानसभा चुनाव का प्रचार चरम पर पहुंच गया है। मतदान 25 नवम्बर को है। सभी राजनीतिक दलों के बड़े नेता व स्टार प्रचारक लगातार चुनावी रैलियां को संबोधित कर रहे हैं। भाजपा की तरफ से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित कई प्रदेशों के मुख्यमंत्री व बड़े नेता लगातार चुनावी रैलियां को संबोधित कर रहे हैं। वहीं कांग्रेस की तरफ से राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चुनाव प्रचार की कमान संभाल रखी है। जहां कांग्रेस व भाजपा पूरे जोशखरोश के साथ चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, तीसरी ताकत बनकर चुनाव परिणाम बदलने का दावा करने वाले तीसरे मोर्चे के दलों की स्थिति कमजोर लग रही है। विधानसभा चुनाव से पहले तीसरे मोर्चे के नेता बड़े-बड़े दावे कर सत्ता की चाबी अपने हाथ में होने की बात कह रहे थे। मगर मौजूदा चुनावी परिदृश्य को देखकर तो लगता है कि तीसरे मोर्चे के दल अपनी उपस्थिति दर्ज करवा पाने में ही नाकाम लग रहे हैं। तीसरे मोर्चे में शामिल बहुजन समाज पार्टी, आम आदमी पार्टी, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी, एमआईएमआईएम, वामपंथी दल, हरियाणा की जननायक जनता पार्टी, भारतीय ट्राइबल पार्टी व भारत आदिवासी पार्टी ने चुनाव से पूर्व अधिकांश सीटों पर चुनाव लड़ने के बड़े-बड़े दावे किए थे। मगर चुनावी मैदान में इनमें से कोई भी पार्टी सभी सीटों पर प्रत्याशी नहीं उतर पाई है। पिछले चार चुनावों से प्रदेश में अपनी उपस्थिति दर्ज करवा रही बहुजन समाज पार्टी ने भी 175 प्रत्याशियों को चुनावी मैदान में उतारा है। इस पार्टी के कई प्रत्याशियों ने तो कांग्रेस व भाजपा के प्रत्याशियों के पक्ष में अपने नाम वापस ले लिए या फिर उनको अपना समर्थन दे दिया है। वही तिजारा से पार्टी ने इमरान खान को प्रत्याशी बनाया था। जिसने अंतिम समय में कांग्रेस से टिकट लेकर चुनाव मैदान में उतर गए। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह बाबा पार्टी की जीत के बड़े-बड़े दावे तो कर रहे हैं।

क्यों जरूरी है नोएडा एयरपोर्ट का शुरू होना

आर.के. सिन्हा

अगर सब कुछ योजना के चलता रहा तो उत्तर प्रदेश के जेवर में तेजी से बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से पहली उड़ान अगले साल मार्च के महीने में अपने सफर पर चली जाएगी। यानी अब छह से भी कम महीनों का वक्त बचा है, इसे शुरू होने में। पहले कहा जा रहा था कि यहां से पहली फ्लाइट साल 2024 के अंत में ही उड़ान भरेगी। नोएडा एयरपोर्ट जितना जल्दी शुरू हो जाए उतना ही भारत आने और यहां से जाने वाले करोड़ों मुसाफिरों के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर होगी। भारत सरकार का उड्डयन एवं गृह मंत्रालय और उत्तर प्रदेश सरकार मिल कर कोशिश कर रहे हैं ताकि नोएडा एयरपोर्ट वक्त से पहले ही शुरू हो जाए। नोएडा एयरपोर्ट का तुरंत बनना इसलिए भी जरूरी है ताकि इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आईजीआई) को यात्रियों की भीड़ से बचाया जा सके। इधर भीड़ के चलते बदइंतजामी और अराजकता के हालात बने रहते हैं। यात्रियों को तीन-तीन घंटे लाइन में लगना पड़ना आज के दिन आम बात हो गई है। आईजीआई एयरपोर्ट पर साल दर साल यात्रियों की भीड़ बढ़ती ही चली जा रही है। आप जानते हैं कि आईजीआई से प्रतिदिन हजारों भारतीय सात समंदर पार यात्रा के लिए जा रहे हैं तो इतने ही दुनिया के अलग अलग भागों से दिल्ली आ भी रहे होते हैं। पिछले साल 2022 में तो यह दुनिया के सबसे व्यस्त एयरपोर्ट की रैंकिंग में नौवें स्थान पर पहुंच गया। एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल (एसीआई) की रिपोर्ट की मानें तो आईजीआई एयरपोर्ट से साल 2022 में लगभग 5.95 करोड़ लोगों ने यात्रा किया। यह भारत का सबसे व्यस्त एयरपोर्ट भी है। शायद यही वजह है कि आईजीआई एयरपोर्ट की वृहद् सुविधाएं भी भीड़ के सामने अब बौनी साबित होने लगी हैं। क्या कुछ साल पहले 31 मार्च, 2006 को जब आईजीआई शुरू हुआ तो किसी ने भी यह सोचा था कि इधर मुसाफिरों की भारी भीड़ से सारी व्यवस्थाएं चरमराने लगेंगी? अगर इतिहास के पन्नों को पलटें तो पता चलेगा कि राजधानी दिल्ली में सबसे पहले 10 मार्च, 1931 को सफदरजंग एयरपोर्ट का विधिवत उदघाटन हुआ था। हालांकि इससे दो बरस पहले 1929 में ही इसकी सांकेतिक स्थापना भी हो गई थी। तब इसका नाम विलिंग्डन एग्गर फील्ड था। फिर इसका कुछ समय के बाद नाम कर दिया गया विलिंग्डन एयरपोर्ट। देश के आजाद होते ही विलिंग्डन एयरपोर्ट का नाम हो गया सफदरजंग एयरपोर्ट। बताते हैं, इधर कुछ विमान 1927 से ही उतरने लगे थे। दूसरे विश्व युद्ध में इसका मित्र देशों की सेनाओं ने भरपूर इस्तेमाल भी किया था। दिल्ली का यही 1962 तक मुख्य हवाई अड्डा रहा। उसके बाद पालम एयरपोर्ट बन गया। सफदरजंग एयरपोर्ट को सुरक्षा कारणों से 2002 में बंद कर दिया गया था। इसे अमेरिका में 26/11 की भयंकर घटना को देखते हुए बंद किया गया था । अब भी यहीं से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अन्य अति विशिष्ट हस्तियां अपने सफर पर निकलते हैं। फिर से वर्तमान में लौटेंगे। आईजीआई के शुरू होने के 20 साल के भीतर ही देश को एक नए विश्व स्तरीय एयरपोर्ट की जरूरत महसूस हुई। यह सुबूत है कि देश के एविएशन सेक्टर का तेजी से विकास और विस्तार हो रहा है। इसलिए ही ग्रेटर नोएडा में जेवर एयरपोर्ट को बनाने पर निर्णय लिया गया। जान लें कि तीस हजार करोड़ रुपये की लागत से 1334 हेक्टेयर में बन रहा जेवर एयरपोर्ट भारत का सबसे बड़ा एयरपोर्ट होगा। फिलहाल यात्रियों की आवाजाही के लिहाज से आईजीआई देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट है।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

Today's **Opinion**

इजरायल-हमास टकराव में युद्ध का मैदान बनता अस्पताल

डॉ राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

मानव इतिहास में शायद यह पहला उदाहरण होगा जब हॉस्पिटल युद्ध का मैदान बना हो। इजरायल-हमास युद्ध में यही हो रहा है। आज गाजा पट्टी का अल-शिफा हॉस्पिटल रणक्षेत्र बन गया है। इसके लिए अकेले इजरायल को दोष देना किसी भी दृष्टि से सही नहीं है, वहीं हॉस्पिटल को युद्ध का मैदान बनाना भी किसी भी तरह से उचित नहीं माना जा सकता। जो परिस्थितियां सामने आ रही हैं उसने हालात ही ऐसे बना दिए हैं। इजरायल दावा कर रहा है कि अस्पताल परिसर में आतंकवादी गतिविधियों के बुनियादी ढांचे के संकेत मिले हैं। इजरायल का दावा है कि अस्पताल के नीचे हमास का मुख्यालय और कमांड सेंटर है और यहां से आतंकवादी गतिविधियों का संचालन हो रहा है। वहां से भारी मात्रा में हथियारों का जखीरा भी मिला है। दूसरी ओर निर्दोष नागरिक जान गंवा रहे हैं। इजरायल के सामने दोहरा संकट है। एक और तो निर्दोष नागरिकों को बचाना है तो दूसरी ओर आतंकवादी गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई करना भी है। दुनिया के देश दो खेमों में बट चुके हैं। एक तरफ हॉस्पिटल क्षेत्र में सैन्य कार्रवाई के लिए इजरायल को दोषी ठहराया जा रहा है तो दूसरी तरफ हमास की आतंकवादी गतिविधियों को दोषी ठहराया जा रहा है। दरअसल 7 अक्टूबर को हमास ने जिस तरह से इजरायल पर मात्र 20 मिनट में पांच हजार से ज्यादा राकेट दाग कर इजरायल सहित सारी दुनिया को सकते में ला दिया था। जिस तरह से हमास का हमला हुआ उससे इजरायल ही नहीं अपितु सारी दुनिया सकते में आ गई। इसका कारण भी है। इजरायल की सुरक्षा व्यवस्था, सूचना तंत्र, प्रतिरक्षा, और सैन्य व्यवस्था की सारी दुनिया लोहा मानती रही है। हमास द्वारा अचानक एक साथ पांच हजार राकेट दागना और उसके बाद लगातार एक दूसरे में युद्ध जारी रहना इजरायल के सामने बड़ी चुनौती के रूप में उभरे हालात है। इजरायल सीधे-सीधे इसे अपनी तौहीन समझ रहा है तो उसकी प्रतिष्ठा पर दुनिया के देशों के सामने आंच आई है। जानकारों की मानें तो हमास के इस हमले में ईरान का हाथ है। ईरान नहीं चाहता कि इजरायल और सउदी अरब के बीच आपसी सुलह हो जबकि अमेरिका दोनों देशों के बीच सुलह या यों कहें कि सहमति करवाना चाहता है। एक तरह से ईरान अमेरिकी प्रयासों को विफल करने में जुटा है। दरअसल हमास फिलिस्तीनी राजनीतिक व सैन्य संगठन है। यह भी कहा जा सकता है कि यह फिलिस्तीन का चरमपंथी सैन्य संगठन है। 1987 के बाद यह संगठन अस्तित्व में आया है और यह अपने आप में एक शक्तिशाली चरमपंथी संगठन के रूप में विकसित हो चुका है। गाजा पट्टी जानकारों की मानें तो इस क्षेत्र में हमास ने सुरंगों का जाल बिछा रखा है। कौन-सा मेन होल या दरवाजा किस सुरंग का रास्ता है यह पता करना आसान नहीं है। वहीं सुरंगों का यह जाल पूरे क्षेत्र में फैला हुआ है। अनजाने में यहां प्रवेश करना घातक इस मायने में है कि कब कहां विस्फोट हो जाए अंदाज भी नहीं लगाया जा सकता। जानकारों की मानें तो गाजापट्टी क्षेत्र में चारों तरफ सुरंगों का नेटवर्क फैला हुआ है और यहां से चरमपंथी गतिविधियों के साथ ही रणनीति तैयार करने से लेकर उसे अंजाम देने का नेटवर्क संचालित हो रहा है। माना जा रहा था कि इजरायल के आगे हमास अधिक दिनों तक संघर्ष नहीं कर पायेगा पर इसके उलट लगभग 40 दिन से अधिक होने के बाद भी जंग कम होने का नाम ही नहीं ले रही है। हमास की ताकत को भी कमतर आंकने की गलती इस मायने में नहीं की जा सकती कि 40 दिनों से संघर्ष करते हुए अभी पीछे हटने को तैयार नहीं है तो दूसरी और इजरायल ने भी अब हमास को पूरी तरह तहस नहस करने का मन बना लिया है। एक के बाद एक ताबड़तोड़ कार्यवाही हो रही है। 40 दिनों में दोनों तरफ से 13 हजार से अधिक लोगों के मरने के समाचार है। इनमें निर्दोष और बच्चों तक के मरने के समाचार है। हास्पिटल का युद्ध क्षेत्र में तब्दील होना अपने आप में गंभीर है। इसे किसी भी हालात में सही नहीं ठहराया जा सकता। 1949 के जनेवा कन्वेंशन के अनुसार शिक्षा संस्थान यानी की स्कूल, हॉस्पिटल और धार्मिक स्थानों को युद्ध के लिहाज से सुरक्षित क्षेत्र घोषित किया गया हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन नः-06252-296796,
प्रसारः-9470050309 ईमेलः- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

नारियां अब पुरुषों की परछाई नहीं पारिवारिक समाज का आधार स्तंभ

संजीव ठाकुर

आज स्त्री के संदर्भ में सारी पुरातन अवधारणाओं को बदलने का समय आ गया है । नारी अब घर में पूज्या तो है ही साथ ही वह समाज में अपनी अहमियत की दस्तक देकर देश की सीमा सुरक्षा में भी अपना योगदान दे रही है। राष्ट्र निर्माण में नारी की शिक्षा एवं उनकी सहभागिता भारत का शक्तिशाली भविष्य है, अतः नारी की शिक्षा देश के लिए अति महत्वपूर्ण मुद्दा बन गई है1 वह समय चला गया जब किसी घर में कन्या के पैदा होने से पूरे परिवार में मातम छा जाता था अब भारत में धीरे-धीरे सामाजिक परिवेश में लिंग भेद बदलने लगा है।

स्थिति यह है कि शिक्षित परिवार केवल एक संतान ही पैदा करना चाहती है चाहे वह कन्या हो या बेटा। अब परिवार में कन्या पैदा होने से खुशियां मनाई जाती है और पुरातन सोच अब धीरे-धीरे सामाजिक परिवेश को मस्तिष्क के मूल्यांकन के साथ बदलते जा रही है। पुरुष प्रधान समाज में नारी को पूज्या कह कर बहला दिया जाता था और उसे घर की चहारदीवारी में सीमित कर दिया गया था। यही कारण था कि वे पुरुषों की बराबरी मैं ना आकर बहुत पिछड़ गई और देश की समग्र विकास की स्थिति एकांगी हो गई थी। समाज यह भूल गया था कि जिन हाथों में कोमल चूड़ियां पहनी जाती हैं वही हाथ तलवार भी उठा कर युद्ध में एक वीरांगना की भूमिका निभाती है, इसकी सर्वश्रेष्ठ उदाहरण रजिया बेगम और रानी लक्ष्मीबाई रही हैं। मनुस्मृति पर यदि आप नजर डालेंगे तो पाएंगे कि उसमें स्पष्ट कहा गया है कि जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवताओं का वास होता है। प्राचीन भारत में नारी शिक्षा का काफी प्रचार प्रसार किया गया था इसके कई प्रमाण भी हैं कि वेद की रिचाओं का ज्ञान नारियों को था इसमें कुछ महत्वपूर्ण नारियां समाज के लिए एक उदाहरण बन गई थी उनमें मैत्री, गार्गी, अनुसूया, सावित्री, आदि उल्लेखनीय हैं। वैदिक काल के विद्वान मुंडन मिश्र की पत्नी उदय भारती ने प्रकांड पंडित विश्व विजयी आदि शंकराचार्य को भी शास्त्रार्थ में भरी सभा में पराजित किया था। इसीलिए वेदों और पुराणों में भी उल्लेखित है की बालिका शिक्षा समाज के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला होता है।

महादेवी वर्मा ने नारी शिक्षा को पुरुष शिक्षा से ज्यादा महत्वपूर्ण बताया था उन्होंने कहा था स्त्री को शिक्षित बनाना एक पुरुष को शिक्षित बनाने से ज्यादा आवश्यक और महत्वपूर्ण है यदि एक पुरुष शिक्षित -प्रशिक्षित होता है तो उससे एक ही व्यक्ति को लाभ होता है किंतु यदि स्त्री शिक्षित होती है तो उससे संपूर्ण परिवार शिक्षित हो जाता है.

उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण बात कही नारी को अशिक्षित रखना समाज के लिए अपराध के समान है। समय के परिवर्तन के साथ साथ नारी का महत्व अब पूरे तौर पर समझा जा रहा है आज समाज तथा देश में नारियां सर्वोत्कृष्ट कार्य कर रही है। समाज हो या विज्ञान या राजनीति अथवा समाज सेवा संपूर्ण क्षेत्र में आज नारियां पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर सर्वश्रेष्ठ कार्य कर रही है। मैडम क्यूरी, कल्पना चावला, इंदिरा गांधी, श्रीमति भंडार नायके, सरोजनी नायडू, कस्तूरबा गांधी जैसी महिलाएं राष्ट्र का मार्गदर्शन करने का काम करती रही है। महात्मा गांधी ने स्वयं कहा है कि जब तक भारत की महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर क्षेत्र में काम नहीं करेगी तब तक भारत का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। पी वी संधू, वित्त मंत्री सीतारमण स्मृति ईरानी और मंत्रिमंडल में शामिल महिलाएं किसी से पीछे नहीं हैं और सबसे ताजा उदाहरण भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने महिला होकर महिलाओं का नाम राष्ट्र की प्रथम पंक्ति में दर्ज कर देश के सर्वोच्च पद राष्ट्रपति पद को सुशोभित किया है। ।

ख्वाब में हकीकत

ममता सिंह राठौर, कानपुर

सपने जो हम सोते हुए देखते हैं, उनके बारे में आप लोगो की क्या राय है? बताइगा। वैसे मेरी भी समझ में कुछ ज्यादा नहीं है, हां पर यह लगता है कि जो मन में चल रहा होता है वो देखते हैं, फिर कभी बिल्कुल विचित्र सपने होते हैं। खैर, आज हम आप को आज के सपने में देखी हुई घटना का ही विवरण दे रही हूं जो बिल्कुल सच है।

हुआ यूं की आज दोपहर मैं जब सोई तो इस सपने ने ही जगा दिया, तो मन थोड़ी देर तक सोचता रहा फिर हँसी भी आ गई तो सोचा चलो आप लोगों को भी जगाते हैं, हँसाते हैं। अच्छा आज समय का जो दौर है उसके साथ सब लोग क्या चल पा रहे? हां पर कुछ लोग दौड़ रहें है कुछ लोग छलांग लगा र हे हैं, पर कुछ लोग बेचैन भी हैं और सोचते हैं कि हमारी भारत भूमि जहां सत्यवादी हरिश्चंद्र, राजा दशरथ, जैसे लोग हुए हैं बल्कि आज भी किसी विद्यालय में झूठ का समर्थन नहीं होता। सामने से, बाकी आप सब की राय,पर अब आप चलते फिरते देखो कैसे -कैसे लोग, एक छोटी सी बात मन में घूम रही थी।

हुआ यूं की किसी से मेरी यूं ही रास्ते में मुलाकात हुई, नमस्ते की, हमने तो वो खड़ी हो गई बात करती रहीं । मेरे सच्चे लेखन की जिससे वो बहुत प्रभावित हैं, ऐसा बताया उन्होंने, तभी मेरी नजर उनके हाथ में दूध की बाल्टी पर पड़ी तो हमने पूछ लिया कितने में देते हैं दूध? तो जवाब देखिए- हमने पूछा ही नहीं कितने में देता है हम तो जो बिल देता है बस दे देती हूं.... हिहिही। हमें भी हँसी आ गई,अच्छा जी राम राम।

अब अगली कथा जिसने हमें जगा दिया वो यह की सपने में सजी संवरी आठ -दस औरतें दिखीं तो हमने पूछा- आज करवा चौथ है क्या? तो सब की सब देखी होंठ तो हिलाईं पर जवाब नहीं दिया। हमने फिर पूछा तो फिर वही अभिनय की और एक ने कहा हां है करवा चौथ,तभी हमने कुछ सोचते हुए कहा अच्छा पर हमने तो नवरात्रि का व्रत किया है यह मार्च का महीना है करवा चौथ तो अक्तूबर के महीने में होता है। इसके आगे जो बोल कर मेरी आँख खुल गई वो यह कि जो तुम लोग लिपी पुती बैठी हो, बिल्कुल टी वी सीरियल की सास -बहू साजिश, और-सीखो और घर फोड़ो। मंथरा हो पूरी की पूरी। यह सब मेरे सपने में घटी घटना है ।कोई व्यक्तिगत न ले। वैसे सुंदर यह है कि सब हरी साड़ी में सुहागिनी देवियां दिखीं।

हनुमान मुक्त

व्यंग्य: दीनू की किस्मत

खुशी में समय कैसे निकल जाता है, पता ही नहीं चलता। रामखिलावन उर्फ आर के साहब का समय भी बहुत अच्छे ढंग से गुजर रहा था। आजकल उनकी गिनती अच्छे अफसरों में होने लगी थी। अपनी अफसर बिरादरी में उनकी अच्छी पोजीशन थी। अच्छे खासे परिवार में उनकी शादी हो गई। वे पापा भी बन गए। सात साल का उनके एक बेटा है।

सिंह साहब जैसे गुरु के मार्गदर्शन और अपनी कार्यशैली से उनके पास अपना मकान और बैंक बैलेंस भी बन गया है। उनकी ही जाति बिरादरी का एक युवक है दीनदयाल।

अपने बूते अनुसार पढ़ने लिखने के बावजूद, काफी कोशिश करने के बाद भी जब किसी सरकारी महकमे में अपनी जगह ढूंढने में वह नाकामयाब रहा तो उसने असर-कारी स्कूल में देश का भविष्य निर्माता बनाने का कार्य शुरू कर दिया। असर-कारी स्कूल मास्टर की तनख्वाह असर-दायक नहीं होने से दीनदयाल स्कूल समय से पहले और बाद में होम ट्यूशन कर अपना गुजारा करने लगा।

घर में उसकी मां के सिवाय कोई नहीं था। पिता का देहांत बहुत पहले बचपन में ही हो चुका था। दीनदयाल की उम्र तीस साल के पार हो गई लेकिन क्या मजाल जो कोई नवयौवना का पिता अपनी पुत्री का हाथ उनके हाथों में देने का मानस बनाता। बेचारा दीनदयाल इधर-उधर ताक-झांक कर अपना काम चला रहा था। ताकते-झांकते उसकी आंखों को भी अब शर्म आने लगी थी। पर बेचारा क्या करता?

यार, दोस्त जब अपने बीवी बच्चों के साथ हंसते बतियाते निकलते तो उसके दिल पर सांप लोट जाता। मन ही मन उसे अपनी किस्मत पर रोना आता। इसी मोहल्ले का होने के कारण सब उसे दीनू ही कह कर पुकारते। प्राइवेट स्कूल में पढ़ाने के कारण अब वह दीनू से दीनू मास्साब बन चुका था। दीनू का पढ़ाने लिखाने में मन कितना लगता। यह तो नहीं पता लेकिन उसके द्वारा घर पर पढ़ने वाले बच्चे और उनके मां-बाप उससे बहुत प्यार करते। वह भी घर पर बच्चों को पढ़ाने के अलावा सब कुछ करता। बच्चों को पढ़ाई का सामान लाने से लेकर, घर का सामान लाने में भी वह कोई कोताही नहीं बरतता। जैसे तैसे दीनू अपना गुजर-बसर कर रहा था। पिछले कुछ दिनों से वह आर के सर के यहां भी उनके नौनिहाल को घर पर ट्यूशन पढ़ाने का कार्य करने लगा था। अन्य ट्यूशन वालों के घर पर वह एक घंटे से अधिक समय खराब नहीं करता लेकिन आरके साहब की लोकप्रियता और कार्यशैली से प्रभावित होकर वहां वह दो घंटे तक खराब करने में कोताही नहीं बरतता।

उसका मानना था कि यह इन्वेस्टमेंट है जिसका फल उसे भविष्य में अवश्य मिलेगा। दीनू यहां साहब और साहिबा के पर्सनल कामों को भी पूरी मुस्तैदी से मन लगाकर पूरा करता। आरके साहब, साहिबा और उनका नौनिहाल दीनू की कर्तव्य निष्ठा, वफादारी और मेहनत से खुश थे। साहब को दीनू की दयनीय दशा पर काफी दया आती, जिसे दीनू अच्छी तरह जानता था। अपनी दयनीय दशा को अच्छी दशा में बदलने के लिए वह मनोरथ सिद्ध वृक्ष पर जाकर मनोकामना का धागा भी बांध आया था। मनोरथ सिद्ध वृक्ष की कृपा उस पर आई या उसकी मेहनत, कर्तव्य निष्ठा और वफादारी ने अपना रंग दिखाया कि एक दिन शाम को साहब, दीनू पर कुछ अधिक मेहरबान नजर आए। उन्होंने दीनू को एक अखबार थमाते हुए कहा, दीनू! इस अखबार में हमारे महकमे में बाबू की जगह के लिए विज्ञप्ति छपी है। तुम फॉर्म भर दो। दीनू ने अखबार को इधर-उधर पलटा। बोला,साहब इस नाम का अखबार तो आज पहली बार देखा है । सुनकर साहब के चेहरे पर एक रहस्यमई मुस्कान उभर आई। बोले, जब यह बाजार में आएगा ही नहीं तो तुम देखोगे कैसे? इसका प्रसारण हम जैसे कुछ एक अधिकारियों तक ही सीमित है। तुम्हें आम खाने हैं या पेड़ गिनने। जैसा कहा है, वैसा करो। कल शाम तक फॉर्म तैयार कर दे जाना। अत्यंत गोपनीय काम है। किसी से कुछ कहना मत। दीनू को आम खाने थे। साहब के यहां ट्यूशन के काम को और भी निष्ठा से करने का मन ही मन निर्णय किया। साथ ही साहब के निर्देशानुसार अपना भविष्य संवारने का भी। उनके कहे अनुसार फॉर्म तैयार कर गोपनीय ढंग से साहब को दे आया।

कुछ दिनों बाद साहब ने परीक्षा में बैठने का बुलावा पत्र दीनू को थमा दिया और कुछ गोपनीय निर्देशों के साथ ठीक समय पर परीक्षा स्थल पर पहुंचने का आदेश भी। दीनू ने साहब के आदेशों की अक्षरशः पालना की। सभी काम ठीक-ठाक ढंग से संपन्न हो गया। परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों की कुंजी ,पेपर मिलने के आधे घंटे बाद ही दीनू के पास पहुंच गई और दीनू परीक्षा में पास हो गया। अब आ गई टाइप टेस्ट की बारी। परीक्षा तो टीप टाप कर पास कर ली लेकिन अब टाइप टेस्ट कैसे पास करेगा दीनू। उसे तो टाइप करने की एबीसीडी तक नहीं आती फिर वह टाइप की स्पीड में कैसे पास होगा। मन ही मन वह सोच रहा था।अपना संशय उसने साहब के समक्ष रखा।

साहब ने उसे मस्त रहने को कहा। आर के साहब अब खुद अलादीन के चिराग बन चुके थे। जिनके पास हर समस्या का हल था। पी टीआई सिंह साहब का उन पर पूरा असर था। सिंह साहब की उन पर पूरी कृपा दृष्टि थी ।वे अपने गुरु सिंह साहब से पूरा गुरु ज्ञान ले चुके थे। उन्होंने टाइप टेस्ट वाले दिन दीनू को दिन भर उनके घर पर ही रहने का निर्देश दे दिया कि वह आज घर से बिल्कुल ना निकले। अपने स्कूल से भी आज की छुट्टी ले ले। दीनू, साहब के गोरखधंधे के बारे में सोचता उससे पहले ही उसके दिमाग में पेड़ गिनने के बेवकूफी भरे प्रयास की बजाय आम खाने का विचार आ जाता। उसे आम खाने थे।वह सब कुछ साहब के निर्देशानुसार कर रहा था। टाइप टेस्ट के दिन, दिन भर साहब के घर पर ही रहा ।जो घर का काम वह कर सकता था।उसने पूरी कर्मठता से किया। शाम को उसे छुट्टी मिल गई। टाइप टेस्ट हो गया।कुछ दिनों बाद परीक्षा परिणाम आ गया। दीनू बिना टाइप टेस्ट में बैठे ही टाइप टेस्ट में अच्छे अंको से पास हो गया।बाद में पता चला कि उसकी टाइप टेस्ट की परीक्षा साहब के ऑफिस में काम करने वाले टाइपिस्ट ने दी थी। भगवान ने दीनू की सुन ली। अब वह आर के साहब के ऑफिस में ही सरकारी बाबू बन गया।

मुक्तायन, 93, कांति नगर
मुख्य डाकघर के पीछे, गंगापुर सिटी,
सवाई माधोपुर (राजस्थान)

नमिता गुप्ता मनसी

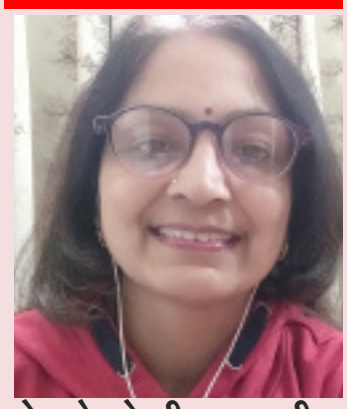

हो सके तो सीखना कभी..

पेड़ों से..बीजों के अंकुरन की भाषा,
चिडियों से..घोंसला बुने जाने की भाषा,
पतंगों से..हवाओं की भाषा,
बादलों से..बारिश की भाषा,
बूंदों से..पानी की भाषा,
नदियों से..अनवरत बहने की भाषा,
तारों से.. आकाश की भाषा,
सूरज से..धूप की भाषा,
चांद से..चमकने की भाषा!!

नवजात से.. किलकारी की भाषा,
चित्रकार से..रंगों की भाषा,
स्त्री से.. उसके दर्द की भाषा
प्रौढ़ से..जीवन की भाषा
प्रेम से..मौन की भाषा,
और
जीवन से..उसके होने की भाषा!

सुनों..
समाहित हैं ये सभी भाषाएं सदियों से
कवियों की कविताओं में!!

मेरठ, उत्तर प्रदेश

पेट की चर्बी कम करने के लिए रोजाना खाली पेट पिएं हल्दी वाला पानी

बढ़ते वजन को कंट्रोल करने के लिए लोग नाना प्रकार के जतन करते हैं। कुछ लोग जिम का सहारा लेते हैं, तो कुछ लोग डाइटिंग करते हैं। वहीं, कुछ लोग घरेलू नुस्खे अपनाते हैं।

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो जंक फ़ूड के अत्यधिक सेवन से शरीर में फैट बढ़ने लगता है। एक बार वजन बढ़ने के बाद कंट्रोल करना आसान नहीं होता है। वहीं, लगातार बढ़ते वजन से शरीर का स्वरूप भी बदल जाता है। साथ ही कई बीमारियां भी दस्तक देती हैं।

इसके लिए वजन को कंट्रोल में रखना जरूरी है। अगर आप भी बढ़े हुए पेट की चर्बी को कम करना चाहते हैं, तो रोजाना खाली पेट हल्दी वाला पानी जरूर पिएं। कई शोधों में खुलासा हो चुका है कि हल्दी पानी पीने से बढ़ते वजन को आसानी से कंट्रोल किया जा सकता है। आइए जानते हैं-

हल्दी

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो वजन घटाने में हल्दी फायदेमंद साबित होती है। इसमें कई आवश्यक पोषक तत्व जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स, एंटी-इंफ्लेमेटरी, करक्यूमिन और पॉलीफेनॉल पाए जाते हैं, जो शरीर में मौजूद एक्स्ट्रा फैट को बर्न करने में सहायक होते हैं। एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के चलते यह पेट की चर्बी कम करने में सहायक होते हैं।

> लगातार बढ़ते वजन से शरीर का स्वरूप भी बदल जाता है। साथ ही कई बीमारियां भी दस्तक देती हैं। इसके लिए वजन को कंट्रोल में रखना जरूरी है। अगर आप भी बढ़े हुए पेट की चर्बी को कम करना चाहते हैं, तो रोजाना खाली पेट हल्दी वाला पानी जरूर पिएं। कई शोधों में खुलासा हो चुका है कि हल्दी पानी पीने से बढ़ते वजन को आसानी से कंट्रोल किया जा सकता है।

कैसे करें सेवन

इसके लिए रोजाना हल्दी वाला पानी पिएं। इससे शरीर में मौजूद टॉक्सिन बाहर निकल जाता है। इसके अलावा, हल्दी वाला पानी पीने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। वहीं, बदलते मौसम में होने वाले बीमारियों का खतरा भी कम हो जाता है।

इसके लिए हल्दी की एक गांठ को एक गिलास पानी में अच्छी तरह से उबाल लें। इस पानी को तब तक उबालें। जब तक पानी आधा न हो जाए। इसके बाद चाय छन्नी की मदद से हल्दी पानी को छान लें। अब शहद मिलाकर इसका सेवन करें। आप चाहे तो स्वाद बढ़ाने के लिए हल्दी पानी में अदरक, नमक और काली मिर्च मिक्स कर सकते हैं। इस पानी को रोजाना पीने से पेट की चर्बी कम करने में मदद मिलती है।

जीभ जल जाए तो तुरंत करें यह उपाय, नहीं होगा संक्रमण

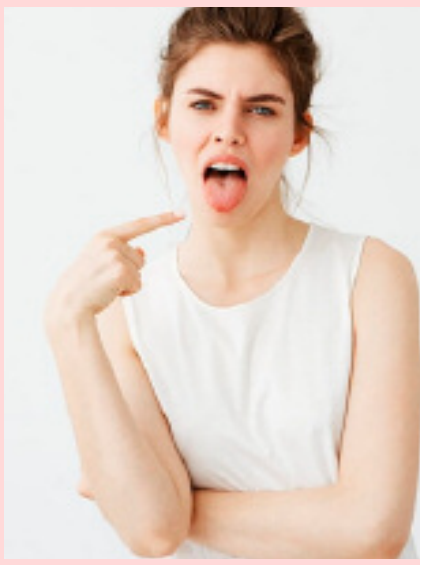

अक्सर चाय पीने या कुछ गर्म खाने के बीच में हम अपनी जीभ जला लेते हैं और फिर कई दिनों तक जली हुई जीभ की जलन से परेशान रहते हैं। आमतौर पर जीभ में जलन की समस्या धीरे-धीरे अपने आप ठीक हो जाती है, लेकिन अगर यह ज्यादा जल जाए तो यह हमें कई दिनों तक परेशान करती है। ऐसे में कुछ घरेलू नुस्खों की मदद से आप जलन को शांत कर सकते हैं और जले हुए टिश्यू को ठीक कर सकते हैं। स्वास्थ्य रेखा इसके अनुसार जीभ में जलन एक आम समस्या है जिसे प्राथमिक उपचार की मदद से ठीक किया जा सकता है। लेकिन अगर यह ज्यादा जलता है तो इस स्थिति में बर्निंग माउथ सिंड्रोम हो सकता है, जिसे इडियोपैथिक ग्लोसोपायरोसिस भी कहा जाता है। यहां हम आपको बताते हैं कि अगर जीभ जल जाए तो उसे तुरंत ठीक करने के लिए आपको क्या करना चाहिए।

जीभ जली हो तो करें ये काम

संक्रमण से बचने के लिए और जीभ पर फर्स्ट-डिग्री बर्न में दर्द को कम करने के लिए, कुछ मिनट के लिए मुंह में ठंडा पानी रखें और कुल्ला करें। ठंडे पानी से गरारे करें या कुल्ला करें। इसके लिए एक कप पानी में 1/8 चम्मच नमक का घोल बनाकर इस्तेमाल करें। गर्म या गर्म तरल पदार्थों से बचें, जिससे जलन हो सकती है। दर्द और सूजन के लिए डॉक्टर की सलाह पर दवा ली जा सकती है। ज्यादा जलन होने पर डॉक्टर से संपर्क करें।

ये हैं घरेलू नुस्खे

बेकिंग सोडा से धो लें. इससे दर्द में आराम मिलेगा। ठंडा दही, लस्सी, आइसक्रीम खाएं। पुदीना का प्रयोग करें। इसके लिए आप च्युइंग गम का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। दर्द से राहत के लिए जीभ पर कुछ चीनी के दाने या शहद लगाकर मुंह को कुछ देर के लिए बंद रखें। दर्द को कम करने के लिए अपने मुंह में बर्फ के टुकड़े या चिप्स डालकर चूसें।

त्वचा पर चाहते हैं कुदरती निखार, तो अपनाएं ये 3 आयुर्वेदिक उपाय

महिलाओं की ख़्वाहिश होती है कि उनकी त्वचा बेदाग और खूबसूरत हो। दमकती त्वचा पाने के लिए महिलाएं कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं, लेकिन इससे स्किन डैमेज हो सकती है। बिना मेकअप के चेहरे में निखार चाहती हैं, तो नेचुरल तरीके से त्वचा की देखभाल करें। ग्लोइंग स्किन पाने के लिए आयुर्वेदिक फेस पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं। इस फेस मास्क को आप खुद घर पर बना सकती हैं। आइए जानते हैं, फेस पैक बनाने का तरीका।

बेसन और हल्दी का पैक: त्वचा की खूबसूरती बढ़ाने में हल्दी काफी फायदेमंद होती है और बेसन से चेहरे के दाग-धब्बे कम हो सकते हैं। इसके लिए एक बड़े चम्मच बेसन में एक चुटकी हल्दी मिलाएं और गुलाब जल की मदद से पेस्ट बना लें। चाहें तो आप कच्चे दूध की मदद से भी पेस्ट बना सकती हैं। अब इसे चेहरे पर लगाएं, 15-20 मिनट बाद पानी से धो लें।

चंदन पाउडर और गुलाब जल का फेस पैक: चंदन त्वचा की खूबसूरती निखारने में बेहद मददगार है। यह त्वचा को बेदाग और कोमल बनाने में कारगर हो सकता है। इससे फेस मास्क बनाने के लिए एक कटोरी में दो चम्मच चंदन पाउडर लें, अब इसमें गुलाब जल मिलाएं। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं, 15-20 मिनट बाद पानी से धो लें। इससे आपकी त्वचा में निखार आएगा।

केसर और शहद का फेस मास्क: केसर का इस्तेमाल सेहत के साथ त्वचा को निखारने के लिए भी किया जाता है।

बच्चों में कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए अपनाएं ये टिप्स, बेहतर होगा उनका फ्यूचर

हर पेरेंट्स चाहते हैं कि उनका बच्चा कॉन्फिडेंट हों। वह किसी भी स्थिति में नर्वस फील न करें। अक्सर बच्चे कॉन्फिडेंट न होने का कारण बहुत सारी एक्टिविटीज में भाग नहीं ले पाते हैं और सुनहरा मौका गंवा देते हैं। कॉन्फिडेंस होना भी, एक तरह की स्किल है। जो बच्चों को सीखाना बेहद जरूरी है। ऐसे में पेरेंट्स की जिम्मेदारी बनती है कि वो अपने बच्चों को बचपन से ही कॉन्फिडेंट बनाना सीखाएं। कई तरीकों से बच्चों में उत्साह और विश्वास ला सकते हैं। आइए जानते हैं, बच्चे का कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए कुछ असरदार टिप्स।

अच्छे काम के लिए तारीफ करें

जब आपका बच्चा कोई अच्छा काम करें, तो उसकी तारीफ करना न भूलें। बच्चे अपने पेरेंट्स से तारीफ सुनना चाहते हैं। वो चाहते हैं कि आप उनके काम को नोटिस करें। चाहे उन्होंने अपने खिलौने को सही जगह पर रखा हो, डांस किया हो या ड्राइंग बनाई हो।

आप बच्चों की प्रयासों के लिए उनकी तारीफ जरूर करें। इससे बच्चे प्रेरित होंगे और उनमें आत्मविश्वास की कमी नहीं होगी।

प्यार जताएं

चाहे बच्चे हो या बड़े, सब प्यार के भूखे होते हैं। ये हमें आत्मविश्वास से भर देता है। कई पेरेंट्स बच्चों के हर बात पर भड़क जाते हैं। जिससे बच्चा डरपोक होता है। आप अपने बच्चे से प्यार जताएं। उन्हें इस बात का भरोसा दिलाएं कि आप उनसे बेशुमार प्यार करते हैं और ये भी कहें कि किसी प्रॉब्लम में आप बच्चे का साथ नहीं छोड़ेंगे। उनकी ताकत बनें, तभी आपका बच्चा आपसे हर बात शेयर करेगा।

निगेटिव चीज़ों से दूर रखें

बच्चे गलत आदतों को बहुत जल्दी सीखते हैं। ऐसे में आप आसपास के माहौल पर ध्यान दें और बच्चों को निगेटिव माहौल से दूर रखें।

उनसे हमेशा पॉजिटिव बातें करें, कभी न कहें कि तुम इस काम को नहीं कर पाओगे, तुम पढ़ाई में विक हो आदि नकारात्मक बातें न करें। उन्हें प्रोत्साहित करने की कोशिश करें।

BNM Fantasy

Wednesday
22 November 2023

जैस्मिन भसीन ने दिखाया अपना नया लुक

बिग बॉस फेम एक्ट्रेस जैस्मिन भसीन हाल ही में तबीयत बिगड़ने की वजह से अस्पताल में भर्ती हुई थीं और बीते दिन ही उनको अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद एक्ट्रेस अब एक बार फिर से सोशल मीडिया पर एक्टिव हो गई हैं। हाल ही में उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक पोस्ट शेयर किया है। उनके इस पोस्ट पर बॉयफ्रेंड अली गोनी के कमेंट ने हर किसी का ध्यान खींचा है।'टशन-ए-इश्क' और 'दिल से दिल तक' जैसे कई सीरियल्स में नजर आ चुकी एक्ट्रेस जैस्मिन भसीन अपने फैशन और टैलेंट की वजह से लोगों का दिल जीत लेती हैं। एक्ट्रेस की तबीयत खराब होने की वजह से उनके फैंस भी चिंता में थे।

अ

नन्या पांडे ने शेयर किया बचपन का वीडियो

'ड्रीम गर्ल 2' फेम एक्ट्रेस अनन्या पांडे बी-टाउन की फेमस अभिनेत्रियों में से एक हैं। वह सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फैंस के साथ अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी चीजें शेयर करती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपना एक बचपन का वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह एक बोतल लेकर उसका एड करते हुए दिखाई दे रही हैं। अनन्या पांडे के इस वीडियो पर उनके दोस्तों से लेकर बॉलीवुड के कई सेलेब्स ने कमेंट किया है। एक्ट्रेस का यह वीडियो देख कर उनके फैंस भी उनकी क्यूटनेस की तारीफ कर रहे हैं।अनन्या पांडे ने अपने बचपन का एक बेहद प्यारा वीडियो सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस वीडियो में नन्हीं अनन्या एक एड के शूट की प्रैक्टिस करते दिखाई दे रही हैं। टीवी की शेल्फ पर बैठी एक्ट्रेस अनन्या को कहते हुए सुना जा सकता है कि इस एड में आपका स्वागत है, एक एड जो एक परफ्यूम के बारे में है। यह परफ्यूम बहुत खुशबूदार है। इसकी खुशबू अच्छी है और यह कमल की खुशबू की तरह लगती है'। इस वीडियो को शेयर करते हुए अनन्या ने कैप्शन में लिखा 'A ad'। अनन्या पांडे की इस वीडियो पर कई बॉलीवुड सेलेब्स ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। इसके साथ ही उनकी दोस्त सुहाना खान ने भी इस पर कमेंट किया और लिखा 'टीचर टीचर'। मां भावना पांडे ने कमेंट में लिखा 'सुगंधित परफ्यूम'। नीलम कोठारी ने कमेंट में लिखा 'तुम बहुत क्यूट हो'।

सुष्मिता की 'आर्या-3' का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज

ये तीसरा सीजन कई और राज खोलेगा

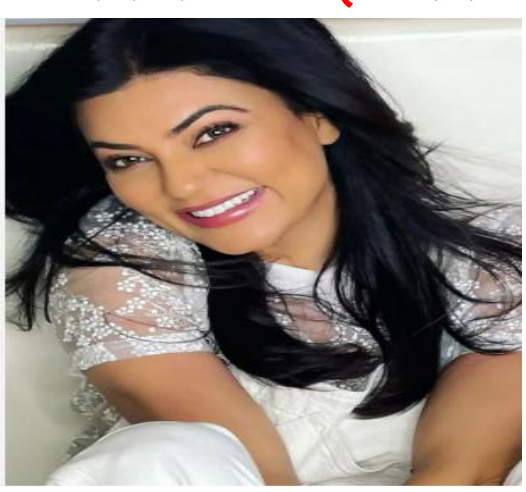

बॉलीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन की 'आर्या' वेब सीरीज काफी पॉपुलर रही थी। इस वेब सीरीज के अब तक 2 सीजन रिलीज हो चुके हैं, जिसमें सुष्मिता की दमदार परफॉर्मेंस देखने को मिली थी। इसके बाद एक बार फिर सुष्मिता तीसरे सीजन के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। इस सीजन का टीजर 3 दिन पहले रिलीज हुआ था, अब ट्रेलर भी रिलीज हो गया है। इस वेब सीरीज में सुष्मिता आर्या नाम की माफिया क्वीन का किरदार निभा रही हैं। अपने पिता और पति के जाने के बाद, आर्या पारिवारिक व्यवसाय की बागडोर संभालती है, न चाहते हुए भी उसे अपराध की दुनिया में प्रवेश करना पड़ता है और यहीं से माफिया क्वीन बनने का उसका सफर हम पिछले दो सीज़न में देख चुके हैं। क्या टीजर देखने के बाद खत्म हो जाएगा आर्या का सफर? दर्शकों के मन में ये एक सवाल था, लेकिन अब ट्रेलर देखकर साफ है कि ये तीसरा सीजन कई और राज खोलेगा। कहानी 1000 करोड़ की ड्रग डील के इर्द-गिर्द घूमती है। तो इस नए सीजन में आर्या के सामने एक नया प्रतियोगी भी खड़ा नजर आएगा। इसके साथ ही ट्रेलर में यह भी साफ है कि इस नए सीजन में आर्या के परिवार पर संकट आ गया है जो हमेशा अपने बच्चों की रक्षा करते हैं. अब क्या आर्या इस संकट से बाहर निकलेगी और अगर गिर भी गई तो क्या उसके बच्चों की जिंदगी अच्छी होगी या बुरी या फिर उसे पुलिस पकड़ लेगी? ऐसे कई सवालों के जवाब सीरीज देखने के बाद मिलेंगे। इस तीसरे सीजन में सुष्मिता सेन "आर्या" के किरदार में हमेशा की तरह डैशिंग लग रही हैं। इसके साथ ही उम्र के साथ उनमें बदलाव भी ट्रेलर में साफ नजर आ रहा है। क्या आर्या अब अपने पंजे बाहर निकालेगी? इसका जवाब हमें 3 नवंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज़्नी प्लस हॉटस्टार पर मिलेगा। सीरीज "आर्या" के दोनों सीजन को दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला और सुष्मिता की भी खूब तारीफ हुई। सुष्मिता हाल ही में रवि जाधव की वेब सीरीज "ताली" में नजर आई थीं और अब फैंस उन्हें दोबारा आर्या के किरदार में देखने के लिए उत्साहित हैं।